WESTERN U.P. CHAMBER OF COM. AND INDUSTRY
Meerut Cantt.
Receipt No. 16
Date of Receipt 5/8/14

उद्यमी भी सक्रियता बढाएँ और अधिकारीयों को सुस्त न होने दें

23 जुलाई को लखनऊ से हिन्दुस्तान अखबार में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए 500 करोड़ के निवेश के साथ ताईवान की कम्पनीयों द्वारा इलैक्ट्रोनिक्स कलपुर्जे निर्माण के प्रस्ताव का समाचार छपा। इस समाचार से जितनी उथल पथल होनी चाहिए थी वह सुनाई नहीं पड़ी। यह तो गेंद को लपकने जैसी स्थिति है जिसको पश्चिम के उद्यमियों एवं प्रदेश के अधिकारीयों को तुरन्त संज्ञान में लेना चाहिए था। मेरठ के एक उद्यमी संगठन ने फोन कर मुझे इस तरफ कार्य करने की इच्छा जताई।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपार सम्भावनाएं हैं। सरकारी जमीन ही इतनी खाली पडी हैं कि कलस्टर के लिए खेती की जमीन नहीं चाहिए। हस्तनापुर में उद्योग लग जांय एवं रेल चल जाये तो गाजियाबाद से बिजनौर तक मोदी जी के कई सौ बड़े शहरों की कल्पना से बड़े शहर यूँ ही खुद बन जायेंगे। जब तक यह कलस्टर विकसित होगा, अन्य उद्योग भी आने लगेंगे। तब तक उत्तर प्रदेश की पहल पर डेडीकेटेट फ्रेट कॉरिडोर भी मूर्त रूप में आ चुका होगा। मेरठ, मुजफरनगर व बिजनौर संसाधनों में नौयडा, गुडगाँव व मुम्बई से बड़े औद्योगिक नगर बनने का हौसला रखते हैं।

कोई प्रार्थना पत्र लेकर आए उससे पहले अधिकारी स्वंय संज्ञान लेते हुए जमीन की नाप तोल आरम्भ कर दें। उसके बाद देखिए यहाँ के नागरिक चहक उठेंगे। इनकी सोच अगवा–भगवा से पृथक विकासोन्मुख हो जायेगी। यदि केन्द्र सरकार रेल के लिए मदद न करे तो सड़को के सहारे ही उद्योग विकसित कर इस सुखद योजना को अमीली–जामा पहनाना आरम्भ किया जाना चाहिए।

गोपाल अग्रवाल

गोपाल अग्रवाल